MAHD-02

December - Examination 2018

M.A. (Previous) Hindi Examination

Adhunik Kavya

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। हर प्रश्न अनिवार्य है। एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में उत्तर सीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) ऐतिहासिक काव्य 'सिद्ध राज' और 'रंग में भंग' के रचनाकार कौन हैं?

(ii) जयशंकर प्रसाद कृत 'गीतिनाट्य' का नाम बताइए?

(iii) 'मैं अकेला' नामक कविता का मूल भाव लिखिए।

(iv) महादेवी वर्मा कृत 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित रचनाएँ कौन–कौनसी हैं?

(v) ''है रुपहली रात, है सपने सुनहले शीतमय यह चाँदनी उसके लिए है।'' प्रस्तुत पंक्तियाँ बच्चन के किस काव्य संग्रह से ली गई हैं?

(vi) नरेन्द्र शर्मा की किन्हीं दो काव्यरचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) 'असाध्यवीणा' में 'वीणा' को साधने वाले साधक और वीणा वाद्य बनाने वाले संत का नाम बताइए।

(viii) 'आत्महत्या के विरुद्ध' कविता संग्रह के रचयिता कौन हैं?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित में से कोई चार प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है,
नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है।
एक चिनगारी कहीं से ढूँढ़ लाओ दोस्तो,
इस दिए में तेल से भीगी हुई बाती तो है।
निर्वचन मैदान में लेटी हुई है, जो नदी,
पत्थरों से, ओट में जा–जाके बतियाती तो है।
दु:ख नहीं कोई कि अब उपलब्धियों के नाम पर
और कुछ हो या न हो, आकाश–सी छाती तो है।

3) सप्रसंग व्याख्या लिखिए:

''सुनते हो, बोला खदेरन
बुद्धू भाई देर नहीं करनी है इसमें
चलो, कहीं, बच्चे को रख आवे...
बतला गए हैं अभी–अभी गुरु महाराज,
बच्चे को माँ सहित हटा देना है कहीं
फौरन बुद्धू भाई!
बुद्धू ने अपना माथा हिलाया...
खदेरन की बात पर
एक नहीं, तीन बार!
बोला मगर एक शब्द नहीं।''

4) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

''हो रहा होगा गृह–युद्ध! वृत्र, मैं अर्जुन यदि वासव।
कर्ण अन्नाद–अन्न का कोश, मनोमय कोश पाँच पाण्डव।
नहीं है जीने का उत्साह, युद्ध में यश पाने की लगन।
कसौटी का पत्थर है कर्ण, धनंजय यदि विशुद्ध कंचन।''

5) जयशंकर प्रसाद के काव्य में प्रकृति–निरूपण को अभिव्यक्त कीजिए।

6) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के काव्य में संवेदना के विविध पक्षों का उद्‌घाटन कीजिए।

7) अज्ञेय की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए।

8) रघुवीर सहाय की कविता में परिवेश की यथार्थ अभिव्यक्ति पर प्रकाश डालिए।

9) हरिवंशराय बच्चन के काव्य में अनुभूति पक्ष का वर्णन कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) कवि नागार्जुन के काव्य में संवेदना के विविध स्तरों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

11) महादेवी वर्मा के काव्य में भाव और कलात्मक सौंदर्य का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

12) ''नरेन्द्र शर्मा का काव्य अनुभूति की दृष्टि से जितना प्रभावी बन पड़ा है, उतना ही प्रभावी शैल्पिक सहजता के कारण भी है।'' इस कथन की सप्रमाण पुष्टि कीजिए।

13) टिप्पणी लिखिए:

(i) पंत काव्य में प्रकृति चित्रण।

(ii) दिनकर की राष्ट्रीय चेतना।

(iii) अज्ञेय का व्यक्तित्व व कृतित्व।

(iv) दुष्यन्त कुमार के काव्य में समसामयिक राजनीति।